Through Mail

No. EDN-H (25) B (15)-IV-798/2023
Directorate of Higher Education,
Himachal Pradesh.
Dated: Shimla-171001, the October, 2023

To

All the Deputy Director Higher Education,
Himachal Pradesh.

Subject: - **Regarding fake degree of Govt. Teachers Serving in different District in Himachal Pradesh- report thereof.**

Memo,

It has in reference to news published in different news papers date 14th to 16th October, 2023 on the subject cited above.(copy enclosed)

In this context you are, directed to look in to the matter personally and submit the report of such teachers who acquire their job on fake degree/Certificates from any University and serving under your control with your specific comments/ recommendation to this Directorate within two days without fail, so that further action could be taken accordingly.

This may be treated as **MOST URGENT& TIME BOUND**

Encl: as above

शिक्षा निदेशालय उच्चतर हि0प्र0
21 OCT 2023

Directorate Hr. Education
Himachal Pradesh.

Endst No. even Dated:
Copy for information and further action to:

1. The Deputy Director of Higher Education Bilaspur, District Bilaspur HP with the direction to submit the report of Principal and teachers concerned working under your control as well.
2. The Technical Officer, IT(Cell) of this Director with the request of upload this letter on the official web site of this Directorate.
3. Guard File.

Directorate Hr. Education
Himachal Pradesh

वाह रें हिमाचल... क्या यह टीचर बनाएंगे बच्चों का भविष्य -युवा शक्ति

बिलासपुर के प्रिंसिपल समेत एक दर्जन पूर्व सैनिकों की डिग्रियां फर्जी

बिहार के मगध विश्वविद्यालय में जाकर जांच-पड़ताल करने के बाद विजिलेंस ने किया खुलासा

प्रवीण कुमार

मगध विवि के कुलपति ने डिग्रियों को बताया फर्जी

- **प्रिंसिपल की बीएससी एमएससी और बीएड की डिग्री निकली फर्जी**

डिग्रियों की जांच के लिए चार सदस्यीय टीम बिहार की मगध यूनिवर्सिटी भेजी थी। टीम वापस आ चुकी है। विवि अधिकारियों ने बताया कि 17 शिक्षकों डिग्री धारकों का विवि में कोई रिकॉर्ड नहीं है। - [illegible] शर्मा, डीएसपी, राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो, हमीरपुर

हमीरपुर। मानव भारती विश्वविद्यालय के बाद अब बिहार की मगध यूनिवर्सिटी के नाम की फर्जी डिग्रियों का भंडाफोड़ हुआ है। फर्जी डिग्रियां बनवाने वालों में हिमाचल प्रदेश के डेढ़ दर्जन लोग शामिल हैं। इनमें एक स्कूल प्रिंसिपल और एक दर्जन पूर्व सैनिक भी शामिल बताए जा रहे हैं।

जिला बिलासपुर के रहने वाले एक स्कूल प्रिंसिपल की तो बीएससी, एमएससी और बीएड तीनों डिग्रियां फर्जी पाई गई हैं। हमीरपुर विजिलेंस की चार सदस्यीय टीम ने बिहार के मगध विश्वविद्यालय पहुंचकर 17 डिग्रियों की जांच की। विश्वविद्यालय के कुलपति ने सभी 17 डिग्रियों को फर्जी बताया है। करीब एक हफ्ता विश्वविद्यालय में जांच-पड़ताल करने के बाद अब यह टीम बिहार से हिमाचल प्रदेश लौट आई है। इस मामले में अब बड़ी कार्रवाई की तैयारी हो रही है। विजिलेंस में एफआईआर दर्ज होने के साथ ही फर्जी डिग्रियों के सहारे नौकरियां हासिल करने वाले सरकारी कर्मचारियों की मुश्किलें बढ़ेंगी। हालांकि इससे पूर्व मार्च 2018 में भी विजिलेंस टीम बिहार की मगध यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्रियों की जांच कर चुकी है। उस दौरान संबंधित डिग्री धारकों का कोई रिकॉर्ड विश्वविद्यालय में नहीं मिला था, लेकिन एफआईआर के बाद भी उस दौरान भी कोई कार्रवाई नहीं हुई थी।

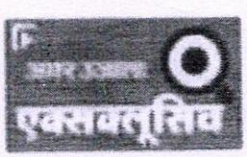

एक्सक्लूसिव

अभी भी शिक्षा विभाग दोषी अध्यापकों पर कार्रवाई करने में पूर्व विजिलेंस की एफआईआर का इंतजार कर रहा है। हालांकि विशेषज्ञों की मानें तो अध्यापकों की फर्जी डिग्रियां पाए जाने पर शिक्षा विभाग दोषी अध्यापकों पर कार्रवाई करने में सक्षम है।

बता दें कि वर्ष 2004-05 में प्रदेश शिक्षा विभाग में अध्यापकों की भर्तियां हुई थीं। इनमें करीब दो दर्जन अभ्यर्थियों ने बिहार की मगध यूनिवर्सिटी से बिना परीक्षा दिए फर्जी सर्टिफिकेट और डिग्रियों के आधार पर नौकरी हासिल की। इस मामले की शिकायत राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो शिमला में की गई। इसके बाद हमीरपुर से विजिलेंस टीम मार्च 2018 में मगध विवि पहुंची। टीम ने एक हफ्ते तक विवि में अध्यापकों की डिग्रियों से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले, लेकिन उन्हें न तो अध्यापकों के प्रवेश और न ही परीक्षाओं से जुड़े दस्तावेज मिले। इसके बाद विजिलेंस ने रिपोर्ट मार्च में ही विजिलेंस मुख्यालय शिमला में जमा करवाई, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी शिक्षा विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस मामले में एफआईआर के बाद कोर्ट में चालान पेश होना था, लेकिन अब दोबारा जांच होने और रिपोर्ट शिमला कार्यालय में जमा होने के बाद फर्जी डिग्री धारक सरकारी कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई होनी तय है।

18 OCT 2023

Urgent
D-II
&
17/10/23